223वें सत्र के समापन पर सभापति का वक्तव्य

माननीय सदस्यगण,

आज राज्य सभा का 223वां सत्र समाप्त हो रहा है। मानसून सत्र होने के कारण इस सत्र की कार्यवाही अपने नाम के अनुरूप हलचलपूर्ण रही है।

सत्र के दौरान गोवा, गुजरात, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, तमिलनाडु और पश्चिमी बंगाल से विभिन्न चुनावों में निर्वाचित अथवा पुनःनिर्वाचित हुए 13 नये सदस्य सभा के सदस्य बने। सभा ने गुजरात और पश्चिमी बंगाल राज्यों के उन सेवानिवृत्त होने वाले राज्य सभा सदस्यों को विदाई भी दी जिनका कार्यकाल 18 अगस्त, 2011 को समाप्त हो गया। प्रधानमंत्री द्वारा सभा में 11 नये मंत्रियों का परिचय कराया गया।

कलकत्ता उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति सौमित्र सेन को उनके पद से हटाने हेतु प्रस्ताव से संबंधित कार्यवाही और लोकपाल गठित किए जाने संबंधी मुद्दे पर चर्चा सत्र के मुख्य कार्यों में शामिल रहे। दोनों अवसरों पर सभा में अत्यंत उच्च स्तरीय वाद-विवाद देखने को मिला।

सत्र के दौरान तीन सरकारी विधेयक पुरःस्थापित किए गए और नौ सरकारी विधेयक पारित किए गए अथवा लौटाए गए। मैंने महासचिव से इस सत्र से संबंधित सांख्यिकीय सूचना उपलब्ध कराने को कहा है।

सत्र के दौरान निरंतर व्यवधान उत्पन्न हुआ। 10 दिनों में कोई कार्य नहीं हुआ। समग्रतः 53 निर्धारित कार्य घंटे बरबाद हो गये। 500 प्रश्नों में से केवल 65 के मौखिक उत्तर दिए गए। विधेयकों पर चर्चा हेतु आवंटित समय के 27 घंटों का उपयोग नहीं किया जा सका। सम्पूर्ण सत्र के दौरान केवल एक ध्यानाकर्षण प्रस्ताव लिया गया जबकि प्रति सप्ताह दो ध्यानाकर्षण प्रस्तावों का लक्ष्य था। केवल चार अल्पकालिक चर्चा की जा सकीं। इसके परिणामस्वरूप लोक महत्व के कई मामले अछूते रह गये। सभा की कार्यवाही में सार्थक रूप से भाग लेने के सदस्यों के अधिकार और कर्त्तव्य पर यह दुखद टिप्पणी है। इस पर आत्मनिरीक्षण की आवश्यकता है। इसे साथी सदस्यों के अधिकारों का अतिक्रमण किए बिना और स्वयं के कार्य संचालन संबंधी नियमों का अतिलंघन किए बिना चिंता व्यक्त करने के तरीके तलाश करने हेतु हमारे सामूहिक प्रयास से परे नहीं होना चाहिए।

मैं इस अवसर पर सभा के नेता, विपक्ष के नेता, विभिन्न दलों और समूहों के नेतागण और माननीय सदस्यों का उनके द्वारा सभा के समग्र रूप से सुचारू कार्यकरण हेतु दिये गये सहयोग के लिए आभार व्यक्त करता हूँ।

मैं उपसभापति, उपसभाध्यक्षों के पैनल के सदस्यों और अधिकारियों तथा कर्मचारियों का भी उनकी सहायता और सहयोग के लिए धन्यवाद देता हूँ।